दिनांक

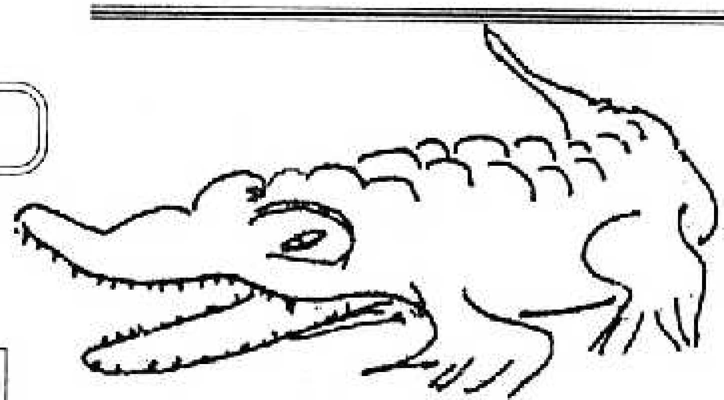

सार

मग्गू मगर

मग्गू मगर खोल के मुंह
लोटे घाट पर सोचे यूं
काम किया है मैंने कैसा
लोग पड़े हैं पीछे क्यूं?
मैं न मारूं
तो भी मारें।
आते जाते ताक में रहते
हर दम मेरी घात में रहते।
मेरी चमड़ी उन्हें लुभाती,
जूता, बटुआ, बैग, अटैची
नहीं है मन्जूंर मुझको बनना।
कैसे उनको ये बतलाऊं?
कैसे उनको ये समझाऊं?
मग्गू मगर खोल के मुंह
लोटे घाट पे सोचे यूं।

अक्षर	आधा अक्षर
क	क्
न	न्
ग	ग्
म	म्
प	प्
स	स्
ल	ल्
श	श्

कविता में कुछ जगह आधे अक्षर आये हैं। जैसे-क्यूं।
और कहां-कहां आए हैं तालिका देखकर पहचानो।

जिस कविता में मग्गू मगर की जीभ जलने की बात है, उसके साथ वही चित्र बनाओ।
उपयुक्त कविता के साथ मग्गू को लोग मारते हुए का चित्र बनाओ।
उपयुक्त कविता के साथ मग्गू की मां का चित्र बनाओ।

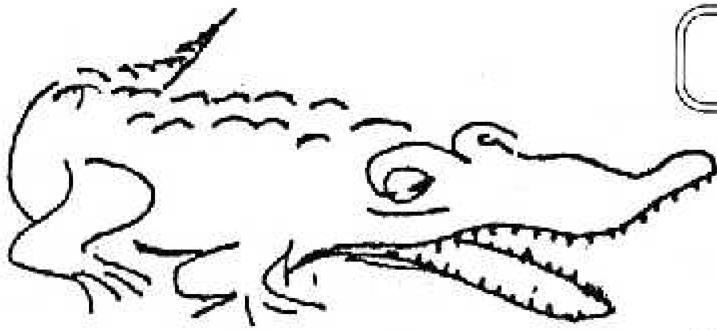

सार

मग्गू मगर खोल के मुंह
मुंह खोल के चौड़ा
बोला मां से रोते-रोते-
खाऊंगा मैं गरम पकौड़ा
गरम पकौड़ा, गरम पकौड़ा।

मां झट लाई गरम पकौड़ा
गोल मटकता गरम पकौड़ा
भाप दिखाता गरम पकौड़ा
मग्गू खोले मुंह को चौड़ा
गप से खा गया गरम पकौड़ा।
जीभ जली तो मग्गू दौड़ा
मुंह खोल के चौड़ा
बोला मां से रोते-रोते-
बड़ा बुरा है गरम पकौड़ा
गरम पकौड़ा,गरम पकौड़ा।

खाली जगह भरो

लोग मग्गू को ——————— थे।(चाहते/ मारते)
मग्गू मगर लोगों को ——————— चाहता था। (डराना/ समझाना)
मग्गू को पकौड़ा ——————— लगता था। (बुरा/ अच्छा)

[redacted]. सही कविता के नीचे लिखो।

(क) मग्गू मगर को एक बार गरम भजिये खाने की सूझी। मां ने गरम-गरम भजिए ला कर रखे। मग्गू ने भजियों को इतनी जल्दी खाया कि उसकी जीभ जल गई।

(ख) मग्गू मगर सोच रहा था कि लोग उसे मारने की कोशिश क्यों करते रहते हैं। लोग उसकी चमड़ी के लालच में हैं। वे उससे जूता, बैग वगैरह बनाना चाहते हैं। पर मग्गू को ये सब बनना मंजूर नहीं है। मग्गू सोच रहा है कि लोगों को यह बात कैसे समझायी जाए।

[redacted]. नीचे से दोनों कविताओं के लिए अलग-अलग नाम चुनो। उसे कविता के ऊपर बने डिब्बों में लिखो।

मग्गू रोया गरम पकोड़ा **मग्गू की चमड़ी**

मग्गू सोचे **कैसे समझाऊं** **जीभ जली**

[redacted]. पकौड़ा कैसा था?

पकौड़ा गरम और .... था।

[redacted]. इन शब्दों के क्या अर्थ हैं?

लुभाती .... महकती ....

मन्जूर .... घात ....

[redacted]. मग्गू को कौन-कौन मारता होगा? नीचे के नामों में से चुन कर गोला लगाओ।

हाथी, मछलियां, औरत, आदमी, लड़कियां, लड़के. बन्दर, हिरण

[redacted]. लोग मग्गू को क्यों मारते हैं?

....

[redacted]. मग्गू ने पकौड़े को बुरा क्यों कहा?

....

[redacted]. मग्गू मुंह चौड़ा कर के क्या कर रहा था?

....

[redacted]. सोचना/सोचता है/सोचता था/ सोचेगा

मारना /................../...................../...................

ऐसे और भी उदाहरण सोच कर लिखो। ————————————————

भिन्न 2

बाली, आज़ाद और सुटकी तीन दोस्त थे। एक दिन एक खाना लाता, तो दूसरे दिन दूसरा। फिर वे आधी छुट्टी में बराबर- बराबर बांट कर खाते। एक दिन सुटकी खाना लाई थी। वह तीन रोटियां लाई। एक बाली के लिए, एक आज़ाद के लिए और एक अपने लिए। साथ में आंवले की चटनी भी लाई। उस दिन आज़ाद शाला नहीं आया। उसके हिस्से की रोटी बच रही थी। तो सुटकी ने बाली से कहा "कोई बात नहीं, आज़ाद के हिस्से की रोटी अपन दोनों आधी-आधी खा लेंगे।" उसने एक रोटी के ऐसे दो टुकड़े किए और एक टुकड़ा बाली को दिया।

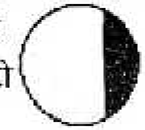

बाली ने कहा "तू ने मुझे आधी रोटी कहां दी? यह तो आधे से कम है।" सुटकी ने कहा "क्यों? मैं ने रोटी के 2 टुकड़े किए। उनमें से 1 एक टुकड़ा तुम्हें दिया यानी 1/2 यानी आधी रोटी। बाली ने कहा "आधा तो तब होता जब तू रोटी के दो बराबर टुकड़े करती और उनमें से एक टुकड़ा मुझे देती। तू यह पूरी रोटी रख ले, मैं दूसरी रोटी का आधा करके देती हूं।" फिर बाली ने रोटी का आधा यूं किया

यहां आज़ाद ने कुछ चीज़ों के हिस्से बनाकर रंगे हैं। जो सही हैं,उन पर गोला बनाओ। जो सही नहीं हैं, उन्हें ठीक करके बनाओ।

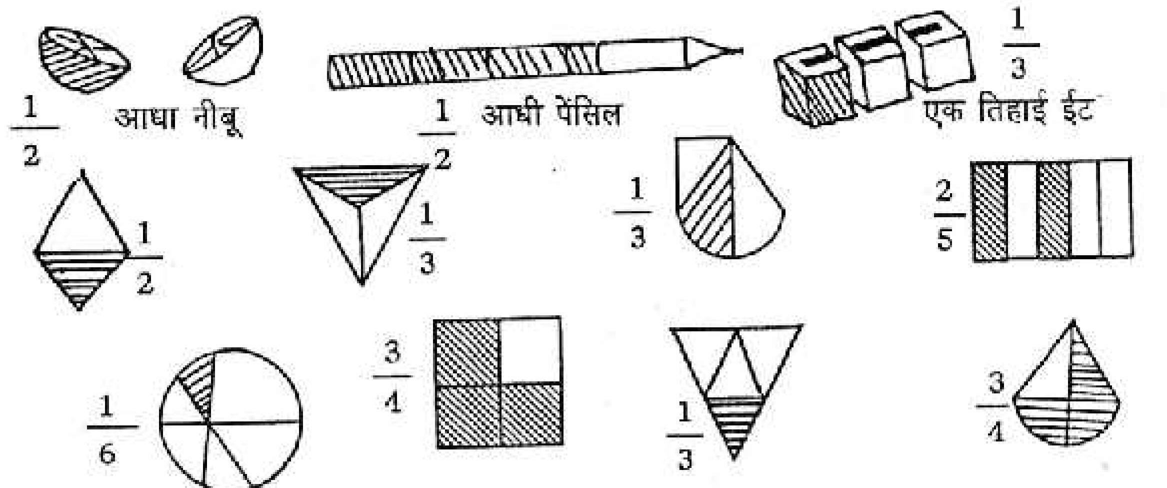

याद रहे -भिन्न में हिस्से दिखाने के लिए हमेशा हर हिस्सा बराबर होना चाहिए।

कुल सेबों का कितना हिस्सा टिल्लू को मिला?

कुल फलों का कितना हिस्सा केले हैं?

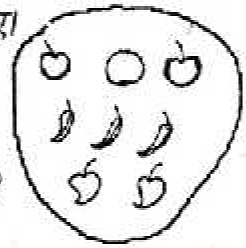

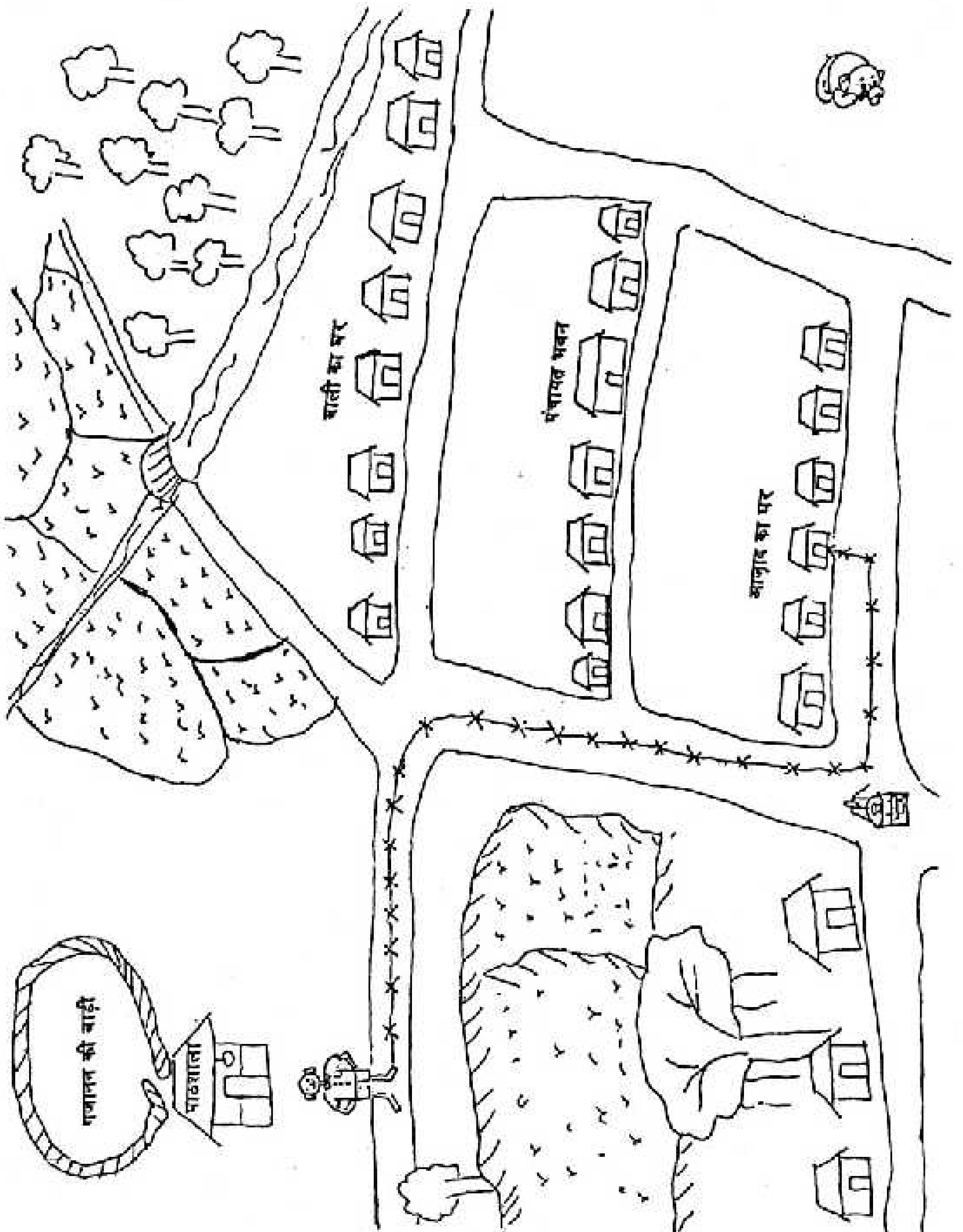
माली का घर
पंचायत भवन
मजदूर का घर
गजानन की वाड़ी
पाठशाला

आज़ाद और बाली का घर

बाली के स्कूल में एक लड़का आया है........ आज़ाद। उसे स्कूल से अपने घर का रास्ता नहीं पता है। वह तीन दिन से रोज़ देर से शाला आ रहा था। गुरूजी जब भी पूछते तो कहता - "रास्ता भूल गया था।" गुरूजी ने उसे घर का रास्ता समझाकर, नकशा बनाकर दे दिया(सामने वाले पेज पर)। नकशे पर रास्ता ऐसी रेखा -x–x–x–x–x–x–x–x–x–x- से बनाया और कहा कि आज से इस नकशे को साथ रखो और इसमें बने रास्ते पर चलकर रोज़ स्कूल आ जाना। आज़ाद को अब मुश्किल नहीं होती।

1. नक्शे पर स्कूल से आज़ाद के घर तक का रास्ता क्या तुम पढ़कर सुना सकते हो? मैंने पढ़कर क्रम से लिखने की कोशिश की पर बीच में कुछ शब्द छूट गए। तुम इन शब्दों में से छांटकर सही शब्द भरकर विवरण को पूरा करो।

बाएं, दूसरे, दाएं, पहले, घर, खेत की मेड़, तीसरा

स्कूल से निकलकर सामने वाली सड़क पर बाएं मुड़ना। फिर सीधे चलकर ––––––– मोड़ पर –––– मुड़ना। फिर सीधे चलना। बाएं हाथ पर ––––– और दाएं हाथ पर –––– दिखेंगे। –––– मोड़ पर ––––– मुड़ना। ––––– घर आज़ाद का है।

2 बाली की दोस्ती आज़ाद से हो गई। वह अपने घर गई। बस्ता छोड़ा और आज़ाद के घर खेलने गई। तुम पाठशाला से बाली के घर और बाली के घर से आज़ाद के घर का रास्ता बताओ। बाली कई रास्तों से आज़ाद के घर पहुंच सकती है। कम से कम दो रास्ते बनाओ।

3. *नक्शे को ध्यान से देखो।*

कितने घर हैं? –––– कितने खेत हैं? ––––––– कितने पेड़ हैं? –––––––

4. आज़ाद, स्कूल देर से क्यों आता था? मास्टर जी ने क्या किया?

5. क्या तुम भी स्कूल से अपने घर तक का रास्ता बना सकते हो। उसमें बाज़ार, पेड़, खेत, मास्टर जी का घर, अपने दोस्तों के घर, पोस्ट आफिस, अस्पताल आदि जो भी आता हो बनाओ।

घर ऐसे, **अस्पताल** 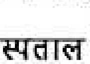 ऐसे, **पेड़** ऐसे बनाना। बाज़ार और खेत कैसे बनाओगे? उनके निशान यहां बनाओ। **बाज़ार** **खेत**

6 *सही जोड़ी मिलाओ (नक्शा देखकर)*

- गजानन की बाड़ी — आज़ाद का है
- पाठशाला से घरों की सबसे दूर वाली पंक्ति (बांई ओर) में तीसरा घर — पंचायत घर है
- घरों की बीच वाली पंक्ति में पांचवां घर — बाली का घर है

7. तुम अपने मन से नक्शे में चीजें जोड़ो, जैसे घर, पेड़, बैलगाड़ी।

सवाल

1. गोलू और मैंने परीक्षा फल जोड़ दिए। गोलू को गणित में 62 और मुझे 58 मिले। गणित में दोनों को कुल मिलाकर कितने अंक मिले?

2. कोई एसी संख्या बताओ जिसमें 2 अंक हो (जैसे 13)। अब उसे उलट कर लिखो (जैसे हमने 13 को कर दिया 31) 31 बड़ी संख्या है और 13 छोटी।
   उलटने पर तुम्हारी संख्या बड़ी हो गई या छोटी?
   अब एक ऐसी संख्या सोचो जो कि उलटने पर पहली संख्या के बराबर रहे।
   एक ऐसी संख्या सोचो जो उलटने पर पहले वाली संख्या से 9 ज़्यादा हो जाये।
   अब एक ऐसी संख्या ढूंढो जो उलटने पर पहले वाली से 18 ज़्यादा हो जाये।

3. मेरे पास 35 पैसे थे। 20 पैसों की तो मैंने गोली ले ली। तो अब कितने पैसे बचे?

4. मैं शहर गया। मैंने सोचा सब के लिये मिठाई ले चलूं। पर घर वाले तो बेसन के लड्डू ही चाहते थे। तो मैंने लिए हरेक के लिये तीन-तीन। मेरे घर में मुझे मिलाकर कुल 4 लोग हैं। तो बताओ मुझे कितने लड्डू लेने पड़े।

5. इस भुट्टे पर कुल इतने ही दाने उगे जितने चित्र में दिखाए गए हैं।
   4 दाने तो एक कौआ आ कर खा गया। कितने बचे?
   फिर वहां आये चार तोते। उन्होंने कहा -
   हम सब बराबर-बराबर दाने लेंगे।
   तो हर एक को कितने दाने मिले?

6. 28का आधा कितना होगा?